Doon Public School

Worksheet

Class X -Hindi Date: 07/05/2020

प्रिय विद्यार्थियों,

आशा करती हूँ कि आप सब अपने-अपने परिवार के साथ स्वस्थ और आनंद के साथ होंगे। यह आपका हिन्दी विषय का ग्रीष्मकालीन गृह कार्य है । इसे आप सुंदर और साफ हस्तलेख में अपनी हिन्दी की नोट बुक में लिखें । इस ग्रीष्मकालीन गृह कार्य की जाँच , जब भी स्कूल खुलेगा तब की जाएगी। आप अपने समय को बहुत ही सावधानी और सुरक्षा के साथ बिताएँ । क्योंकि एक बार जो समय चला जाता है , वह लौटकर नहीं आता है । समय की कीमत , उसे खोकर ही पता चलती है। आशा करती हूँ की आप सब मेरा मंतव्य समझ गए होंगे। अपना ध्यान रखिए और घर में ही रहिए।

(विभाग- वाचन)

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सुचारित्र्य के दो सशक्त स्तंभ हैं-प्रथम सुसंस्कार और द्वितीय सत्संगति। सुसंस्कार भी पूर्व जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है। जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श मात्र से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है , ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है। सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कार्यों में प्रेरित करते हैं।

परिणामतः सुचरित्र का निर्माण होता है। आचार्य हजारीप्रसाद विवेदी ने लिखा है-महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था , मानो भीतर का देवता जाग गया हो। वस्तुत : चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है। चरित्रवान व्यक्ति समाज की शोभा है, शक्ति है। सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं, समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है। विदुर जी की उक्ति अक्षरशः सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही वंश परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं, पर चरित्र-निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है।

आनुवंशिक परंपरा, परिवेश और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं , पर उसका अर्जन नहीं कर सकते, वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता। व्यक्ति-विशेष के शिथिल-चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र-संकट उपस्थित हो जाता है, क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है। अनेक व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार, अनेक परिवारों से एक कुल, अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र बनता है।

(क) सत्संगति कुमार्गी को कैसे सुधारती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) चरित्र के बारे में विदुर के क्या विचार हैं?

(ग) व्यक्ति विशेष का चरित्र समूचे राष्ट्र को कैसे प्रभावित करता है?

(घ) व्यक्ति के चरित्र-निर्माण में किस-किस का योगदान होता है तथा व्यक्ति सुसंस्कृत कैसे बनता है?

(ड) संगति के संदर्भ में पारस के उल्लेख से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है?

(च) किसी व्यक्ति-विशेष के शिथिल-चरित्र होने से राष्ट्र की क्या क्षति होती है?

<u>उत्तरतालिका</u>

(क) सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कार्यों में प्रेरित करते हैं। इससे कुमार्गी व्यक्ति उसी तरह सुधर जाता है, जैसे पारस के संपर्क में आने से लोहा सोना बन जाता है।

(ख) चरित्र के बारे में विदुर का विचार है कि अच्छे चरित्र के बीज वंश-परंपरा से मिल जाते हैं, परंतु चरित्र-निर्माण व्यक्ति को स्वयं करना पड़ता है। सुचरित्र कभी उत्तराधिकार में नहीं मिलता।

(ग) यदि व्यक्ति-विशेष का चरित्र कमजोर हो, तो पूरे राष्ट्र के चरित्र पर संकट उपस्थित हो जाता है, क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक आचरक घटक होता है।

(घ) व्यक्ति के चरित्र के निर्माण में सुसंस्कार, सत्संगति परिवार, कुल, जाति, समाज आदि का योगदान होता है। व्यक्ति में अच्छे संस्कारों व सत्संगति से अच्छे गुणों का विकास होता है। इस कारण व्यक्ति सुसंस्कृत बनता है।

(ड) संगति के संदर्भ में लेखक ने पारस का उल्लेख किया है। पारस के संपर्क में आने से हर किस्म का लोहा सोना बन जाता है, इसी तरह अच्छी संगति से हर तरह का बुरा व्यक्ति भी अच्छा बन जाता है।

(च) किसी व्यक्ति विशेष के शिथिल चरित्र होने पर संपूर्ण राष्ट्र के चरित्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि व्यक्तियों के समूह से ही किसी राष्ट्र का निर्माण होता है। इस प्रकार व्यक्ति राष्ट्र का एक आचरक घटक है। अत राष्ट्रीय चरित्र किसी राष्ट्र के संपूर्ण व्यक्तियों के चरित्र का समावेशित रूप है। निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि किसी एक व्यक्ति के शिथिल-चरित्र होने पर राष्ट्रीय चरित्र की क्षति होती है।

<u>(विभाग- व्याकरण)</u>

प्रश्न 2: निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए |

1 हम रात भर कैसे जागेंगे ? (भाववाचय में)

2 तानसेन को संगीत सम्राट कहते हैं । (कर्तृवाच्य)

3 उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया। (कर्तृवाच्य)

4 माँ ने अवनि को पढ़ाया । (कर्मवाच्य)

5 व्यास के द्वारा पुराण लिखे गए । (कर्तृवाच्य)

6 हम कष्ट नहीं सह सकते | (भाववाचय में)

7 अनेक आतंकवादियों को मारा गया | (कर्तृवाच्य में)

8 वह नहीं दौड़ा | (भाववाच्य में)

9 यह पत्र पंचों ने भेजा होगा । (कर्मवाच्य में)

10 प्रार्थना-सभा में घोषणा की गई | (कर्तृवाच्य में)

<u>उत्तरतालिका</u>

1 हमसे रात भर कैसे जागा जाएगा।

2 तानसेन को संगीत सम्राट कहा जाता है।

3 उन्होने कैप्टन की देश भक्ति का सम्मान किया।

4 माँ द्वारा अवनि को पढ़ाया गया।

5 व्यास ने पुराण लिखे।

6 हमसे कष्ट नहीं सहा जाता।

7 अनेक आतंकवादियों को मारा।

8 उससे दौड़ा नही गया।

9 यह पत्र पंचों के द्वारा भेजा गया होगा।

10 प्रार्थना सभा में घोषणा हुई।

प्रश्न 3: रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए ।

1 <u>मैं</u> <u>पिछले</u> <u>वर्ष</u> उससे <u>यूरोप में</u> मिला था।

2 <u>लड़का</u> कमरे से बाहर निकला।

3 <u>किस</u> लड़के के घर जाना है।

4 <u>दिल्ली</u> भारत की राजधानी है।

5 मैं <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ता हूँ।

6 हम अपने <u>देश पर</u> मर मिटेंगे।

7 सीता वहाँ <u>दूसरे</u> कमरे में बैठी है।

8 मैंने उसे <u>एक</u> रुपया दिया।

9 <u>ईमानदारी</u> बहुत दुर्लभ है।

10 अरे! <u>आप</u> तो यहाँ खड़े है।

<u>उत्तरतालिका</u>

1 मैं - सर्वनाम, पुरूषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'मिला था' क्रिया का करता।

पिछले - विशेषण, गुणवाचक, पुलोइंग, एकवचन, 'वर्ष' विशेष्य का विशेषण।

वर्ष - संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, अधिकरण कारक, 'मिला था' क्रिया का समय।

यूरोप में - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग एकवचन, अधिकरण कारक, 'मिला था' क्रिया का स्थान।

2 लड़का - संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'निकला' क्रिया का कर्ता।

3 किस - विशेषण, प्रश्नवाचक सर्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'लड़के' विशेष्य का विशेषण।

4 दिल्ली - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'हैं' क्रिया का कर्ता।

5 दसवीं - विशेषण, संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण।

6 देश पर - संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

7 दूसरे - विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'कमरे' विशेष्य का विशेषण।

8 एक - विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'रुपया' विशेष्य का विशेषण।

9 ईमानदारी - संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'हैं' क्रिया का कर्ता।

10 सर्वनाम, पुरूषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'हैं' क्रिया का कर्ता।

(विभाग- लेखन)

प्रश्न 4: दिल्ली में महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों का उल्लेख करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली

दिनांक -21 मार्च, 2020

सेवा में
सम्पादक महोदय
दैनिक भास्कर

कनौट पैलेस
नई दिल्ली।

विषय- महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों के सम्बन्ध में।

महोदय
मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से दिल्ली-प्रशासन का ध्यान महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। आजकल दिल्ली अपराधों का केन्द्र बनती जा रही है। यहाँ अब महिलाएँ स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती। दिन-प्रतिदिन यहाँ अपराधों की संख्या में वृद्धि होती जा रही है। छेड़खानी की घटनाएँ तो आम बात हो गई है।

महिलाओं के प्रति अपराधों के बढ़ने का कारण यह है कि सामाजिक सुरक्षा तथा न्याय व्यवस्था के विषय में अपराधियों को पता होता है कि वह उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। कत्ल, हत्या, छेड़छाड़ कुछ भी हो, कोई भी गवाही देने को तैयार नहीं होता, लोग कोर्ट-कचहरी से डरते हैं। ऐसे डरपोक समाज का फायदा उठाते हुए कुप्रवत्ति वाले लोग आसानी से गलत काम करने से बाज नहीं आते हैं।

अतः प्रशासन को ऐसी हरकत करने वालों पर निगरानी रखनी चाहिए और इन सभी पहलुओं पर विचार करते हुए ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त-से-सख्त कदम उठाने चाहिए। मुझे पूर्ण विश्वास है आप उपरोक्त समस्या पर जल्द से जल्द ध्यान देंगे तथा उसे अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे।

धन्यवाद।

भवदीया
क ख ग

प्रश्न 5 : अपने छोटे भाई को स्कूल में नियमित उपस्थित रहने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
दिल्ली

दिनांक 12 जनवरी, 2020

प्रिय अनुज
शुभाशीष

कल तुम्हारे कक्षाध्यापक का पत्र मिला। यह जानकर मुझे अत्यधिक दुःख हुआ कि पिछले दो महीनों से तुम कक्षा में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रहे हो। यह भी पता चला हैं कि तुम स्कूल से हर दूसरे-तीसरे दिन उपस्थित रहते हो।

इस वर्ष तुम्हारी बोर्ड की परीक्षा हैं। यदि तुम इसी तरह कक्षा से गैर-हाजिर रहकर अपना कीमती समय बर्बाद करते रहे तो बाद में पछताने के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा। पढ़ाई में लापरवाही से तुम अनुतीर्ण हो जाओगे। एक वर्ष असफल होने का मतलब हैं- अपने को लाखों से पीछे धकेल देना। समय बहुत तेजी से करवट ले रहा हैं। तुम पिछले कुछ देख ही रहे हो कि डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भी केवल उन्हीं छात्रों को प्रवेश मिल रहा हैं, जिन्होंने 75% से अधिक अंक प्राप्त किए हों।

अगले दो वर्षों में स्थिति और भी विकट हो जाएगी। यदि तुम अपना भविष्य संवारना चाहते हो, तो मन लगाकर परीक्षा की तैयारी करो। सफलता हमेशा उसी के कदम चूमती हैं, जो मेहनत से जी नहीं चुराता।

मुझे विश्वास हैं कि तुम मेरी बातों पर गम्भीरता से ध्यान देते हुए नियमित रूप से विद्यालय जाओगे और परीक्षा की भली-भाँति तैयारी करोगे।

भावी सफलताओं की शुभकामनाओं सहित।

तुम्हारा बड़ा भाई
क ख ग

प्रश्न 6 : आपने ए-ब्लॉक , ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में जूतों का एक नया शोरूम खोला है। अपने शोरूम के उद्घाट-समारोह के अवसर पर आप सभी मदों पर 20 प्रतिशत की छूट दे रहें हैं। इसके लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन दीजिए ।

अथवा

साड़ियों की प्रदर्शनी व सेल के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिये ।

उद्घाटन-समारोह के अवसर पर 20% की छूट

अमर शू पैलेस

बड़ों और बच्चों के लिए
नए और आकर्षक डिज़ाइनों के जूतों, सैंडिलों और चप्पलों
का
नया शोरूम

रविवार, 5 जुलाई, 20..... को प्रात: 10 बजे के बाद उद्घाटन-समारोह में आपका स्वागत है।

जल्दी करें! सुनहरा अवसर हाथ से न जाने दें।

पता: ए-ब्लॉक, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

अथवा

सेल **सेल** **सेल**

सभी प्रकार की साड़ियों पर 45 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाएँ

सुरुचि साड़ी सेंटर

दुकान नं. -- एम्बिएंस मॉल, गुरुग्राम
के सौजन्य से
स्टॉक क्लीअरंस सेल

पहले आएँ, पहले पाएँ

हमारे यहाँ सूती, बनारसी, रेशमी, शिफॉन, रेयॉल, जार्जेट आदि की साड़ियाँ आकर्षक रंगों और डिज़ाइनों में, सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं। 15 अक्तूबर 20... तक इस छूट का लाभ उठाइए। स्टॉक सीमित है, अत: जल्दी कीजिए।

<u>स्वयं परीक्षण (निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर नोट बूक में लिखें)</u>

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है। एक बार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देख रूककर महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है। महात्मा जी ने पूछा " तुम कहाँ जाना चाहते हो "। युवक ने कहा " मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है "। महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा "। कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे। यदि कुछ करना चाहते तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो। अपनी राह स्वयं बनाओ। वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है।

गांधीजी कहते थे कुछ न करने से अच्छा है , कुछ करना। जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है। जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है सर्वाधिक अंक प्राप्त करना तो नौकरी करने वालों का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना। इसी तरह किसी महिला का लक्ष्य आत्मनिर्भर होना हो सकता है। ऐसा मानना है कि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य

बनाने चाहिए। जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए , उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए। बस सफलता आपको मिली ही समझो। सच तो यह है कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरुरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए। इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें। हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

प्रश्न 1 युवक कहाँ जा रहा था? राह में उसे कौन मिला?

प्रश्न 2- युवक तथा महात्मा जी के संवाद को अपने शब्दों में लिखें।

प्रश्न 3- विद्यार्थी एवं किसी महिला का क्या लक्ष्य हो सकता है?

प्रश्न 4-मनुष्य का लक्ष्य कैसा होना चाहिय तथा उसके लिए उसके क्या प्रयास होने चाहिए?

प्रश्न 5 -लक्ष्य प्राप्ति के बारे में विवेकानंद जी के क्या विचार हैं?

प्रश्न 6- उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2: निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए |

1. बच्चे खेल रहे हैं । (कर्मवाच्य में)
2. अमित से दौड़ा नहीं जाता । (कर्तृवाच्य)
3. मैं अब और नहीं कर सकता । (भाववाच्य में)
4. बुद्ध ने मध्यम मार्ग अपनाया । (कर्मवाच्य में)
5. राधिका द्वारा मधुर गीत गाया गया । (कर्तृवाच्य)

प्रश्न 3: रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए ।

1. तुम्हें कल <u>मेरे</u> घर आना था ।
2. उसे <u>कौन</u> जानता है ?
3. <u>भाइयों</u> ! आओ मिलकर काम करें ।
4. <u>छोटे</u> लड़के ने खुशी से चहकते हुए ताली बजाई ।
5. <u>संघर्ष</u> हमें शक्ति प्रदान करता है ।

प्रश्न 4: महंगाई से जूझते लोगों की कठिनाइयों का वर्णन करते हुए दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

प्रश्न 5: कोरोना रोग से सचेत रहने के लिए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए ।

प्रश्न 6: 2 अक्तूबर , गांधी जयंती के अवसर पर ' खादी ग्रामोद्योग' की और से प्रतिवर्ष लागने वाली 'प्रदर्शनी व छूट' के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए ।

प्रश्न 7: अपने पुराने फर्नीचर को बेचने के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए ।